

प्रीलिमिंस फैक्ट्स: 03 दसिंबर, 2019

- [टैनबो कला](#)
- [पावर ऑफ़ साइबेरिया](#)
- [अंतरराष्ट्रीय दवियांगजन दविस](#)

टैनबो कला

Tanbo Art

हाल ही में केरल के एक कसिान ने प्रसदिध गुरुवायुर मंदिर के हाथी (गुरुवायुर केसवन) का चतिरण टैनबो कला (Tanbo Art) के रूप में कया ।



टैनबो कला के वषिय में:

- यह जापान की कला है इसमें लोग धान के खेत में चतिरण करने के लयि वभिनिन प्रकार के रंगों और कसिमों का धान बोते हैं ।

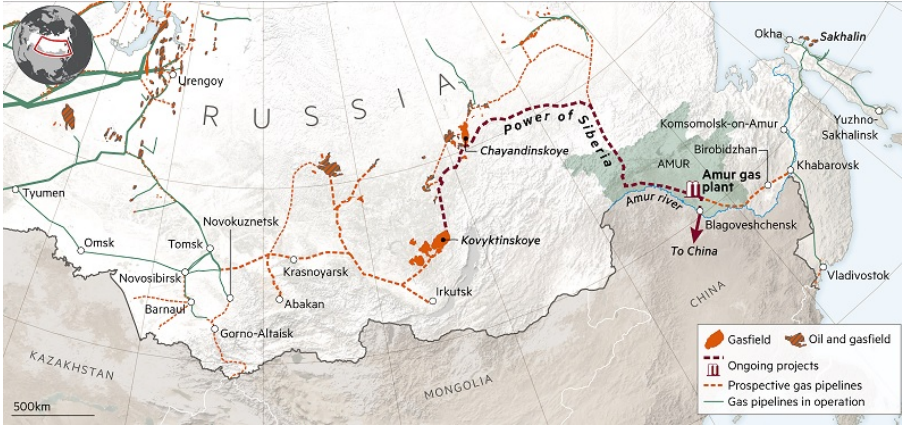
गुरुवायुर मंदरि :

- गुरुवायुर मंदरि केरल राज्य के त्रशूर ज़लि में स्थति है, जसिमें भगवान शरीकृषण के बालरूप में भगवान गुरुवायुरप्पन की मूरत्तिस्थापति है ।
- गुरुवायुर मंदरि को 'बैकुंठदवार' व 'दकषणि की दवारका' भी कहा जाता है ।
- इस मंदरि में केवल हनिदुओं को प्रवेश की अनुमति है ।

गुरुवायुर केसवन:

- गुरुवायुर केसवन को प्राचीन काल से केरल के सदिध मंदरि के हाथी के रूप में जाना जाता है यह राजसी हाथी भगवान गुरुवायुरप्पन को समर्पति था । इस हाथी की वर्ष 1976 में मृत्यु हो गई ।

हाल ही में रूस और चीन ने पावर ऑफ़ साइबेरिया (Power Of Siberia) नामक क्रॉस बॉर्डर गैस पाइपलाइन का उद्घाटन किया।



लाभ:

- यह पाइपलाइन चीन और रूस को कोयले को प्राकृतिक गैस से प्रतिस्थापित करने में मदद मिलेगी तथा ताप के अलावा इस पाइपलाइन से वदियुत् उत्पादन भी किया जा सकेगा।
- नई पाइपलाइन यूरेशिया में रूस और चीन के प्रमुख सहयोगियों के रूप में ऊर्जा एकीकरण का प्रतीक है

पावर ऑफ़ साइबेरिया के वषिय में:

- रूस की भूमिका यूरोप में एक प्राथमिक गैस आपूर्तिकर्ता की रही है लेकिन रूस और चीन के बीच पावर ऑफ़ साइबेरिया पहली क्रॉस बॉर्डर गैस पाइपलाइन है।
- अनुबंध के तहत रूस अगले 30 वर्षों में चीन को 1 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करेगा।

अवस्थिति:

- चीन के हीहे (Heihe) क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले यह पाइपलाइन यांग्त्ज़ी नदी (Yangtze River) और अमूर नदी (Amur River) के डेल्टाओं से होकर गुजरती है।

अंतर्राष्ट्रीय दवियांगजन दविस

International Day Of Persons With Disabilities

अंतर्राष्ट्रीय दवियांगजन दविस (International Day Of Persons With Disabilities) 3 दसिंबर को प्रतिवर्ष मनाया जाता है।



थीम:

- वर्ष 2019 के लिये इसकी थीम- वकिलांग वयक्तियों और उनके नेतृत्व की भागीदारी को बढ़ावा देना: 2030 विकास एजेंडा पर कार्रवाई करना (Promoting the participation of persons with disabilities and their leadership: taking action on the 2030 Development Agenda) है

उद्देश्यः

- इस दविस को मनाने का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य दवियांगजनों की अक्षमता के मुद्दों पर समाज में जागरूकता, लोगों की समझ और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।
- दवियांगजनों के आत्मसम्मान, कल्याण और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी सहायता करना।
- आधुनिक समाज में दवियांगजनों के साथ हो रहे हर प्रकार के भेद-भाव को समाप्त करना।

भारत में प्रयासः

- अंतरराष्ट्रीय दवियांगजन दविस के अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (Ministry of Social Justice and Empowerment) का दवियांग सशक्तीकरण विभाग प्रत्येक वर्ष दवियांगजन सशक्तीकरण की दशा में अर्जति उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं कार्यों के लिये व्यक्तियों, संस्थानों, संगठनों और राज्य/ज़िला आदि को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करता है।